RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जुलाई
08
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

BRICS समिट 2025 / BRICS Summit 2025

संदर्भ:

17वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 6–7 जुलाई 2025 को ब्राज़ील के रियो डी जेनेरियो में आयोजित किया जा रहा है। इसकी अध्यक्षता ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला द सिल्वा कर रहे हैं।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने BRICS शिखर सम्मेलन के पूर्ण सत्र को संबोधित किया, जिसका विषय था – **'बहुपक्षवाद को सशक्त बनाना, आर्थिक-वित्तीय मुद्दे और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)'।** इस सत्र में प्रधानमंत्री ने वैश्विक सहयोग, समावेशी विकास और उभरती तकनीकों के जिम्मेदार उपयोग पर जोर दिया।

BRICS समिट 2025: प्रमुख बिंदु और भारत की भूमिका-

प्रमुख घोषणाएं और भारत का दृष्टिकोण:

- ब्रिक्स नेताओं की घोषणापत्र (Declaration) में **भारत की प्रमुख चिंताओं** को स्थान मिला, जैसे:
  - **सीमापार आतंकवाद**
  - **वैश्विक शासन में सुधार**
- पीएम मोदी ने कहा कि **दुनिया की अधिकांश आबादी** को **वैश्विक संस्थाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं** मिला है।
- उन्होंने विकासशील देशों को **अंतरराष्ट्रीय निर्णय-निर्माण में अधिक भूमिका** देने की मांग की।

पीएम मोदी के चार प्रमुख सुझाव (BRICS सहयोग के लिए):

1. **विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए प्रणाली में सुधार:**
   - निर्णय प्रक्रिया मांग-आधारित (Demand-driven) हो
   - दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित हो
   - क्रेडिट रेटिंग को स्वस्थ बनाए रखा जाए
2. **सहयोगात्मक पहल (Collaborative Initiatives):**
   - एक BRICS विज्ञान और शोध भंडार (Science & Research Repository) बनाने का प्रस्ताव
   - इससे ग्लोबल साउथ के देशों को भी लाभ मिलेगा
3. **लचीली आपूर्ति श्रृंखला (Resilient Supply Chain):**
   - विशेष रूप से क्रिटिकल मिनरल्स और टेक्नोलॉजी के लिए
   - वैश्विक आपूर्ति नेटवर्क को सुरक्षित और मजबूत बनाने पर जोर
4. **जिम्मेदार एआई (Responsible AI):**
   - भारत का दृष्टिकोण: **"AI for All"**
   - एआई को मानव मूल्यों और क्षमताओं को बढ़ाने का उपकरण माना
   - AI के जिम्मेदार और नैतिक उपयोग की वकालत

समिट का व्यापक संदेश

- बहुपक्षीयता को मजबूत करने
- विकासशील देशों की आवाज़ को वैश्विक मंच पर बढ़ाने की दिशा में भारत ने नेतृत्व दिखाया।

BRICS समूह: एक परिचय-

- **BRICS** पाँच प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का समूह है: **ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका**
- अब इसके **नए पूर्ण सदस्य** भी शामिल हो गए हैं: **मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (UAE)**

उत्पत्ति और विकास:

- "BRIC" शब्द को पहली बार 2001 में अर्थशास्त्री जिम ओ'नील ने गढ़ा।
- 2006 में रूस, भारत और चीन के नेताओं की G8 Outreach Summit (सेंट पीटर्सबर्ग) में मुलाकात के बाद BRIC का औपचारिक गठन हुआ।
- UNGA (संयुक्त राष्ट्र महासभा) के दौरान न्यूयॉर्क में BRIC विदेश मंत्रियों की पहली बैठक में इसे औपचारिक रूप से मान्यता मिली।
- 2010 में दक्षिण अफ्रीका के शामिल होने के बाद, यह समूह BRICS कहलाने लगा।

प्रमुख गतिविधियाँ और उद्देश्य:

- BRICS देशों के **नेता प्रतिवर्ष औपचारिक शिखर सम्मेलन** में भाग लेते हैं (प्रारंभ: 2009)।
- यह समूह तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है:
  1. राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग
  2. आर्थिक और वित्तीय संवाद
  3. सांस्कृतिक एवं जन-से-जन संपर्क

BRICS का वैश्विक महत्व:

- ये देश विश्व की जनसंख्या और जीडीपी का बड़ा हिस्सा प्रतिनिधित्व करते हैं।
- BRICS का उद्देश्य बहुपक्षीयता को बढ़ावा देना, विकासशील देशों की आवाज़ बुलंद करना, और विश्व व्यवस्था में सुधार लाना है।

विश्व के सर्वाधिक समान समाजों में भारत चौथे स्थान पर / India Ranks 4th among the World's Most Equal Societies

संदर्भ:

विश्व बैंक के अनुसार, भारत का **गिनी सूचकांक (Gini Index)** 25.5 है, जो उसे दुनिया का **चौथा सबसे समानता वाला (सबसे कम आय-विषमता वाला) देश** बनाता है।

यह सूचकांक दर्शाता है कि भारत में आय वितरण अपेक्षाकृत संतुलित है।

विश्व बैंक गिनी सूचकांक रिपोर्ट 2024: भारत की स्थिति

मुख्य बिंदु:

- **भारत का स्थान**: **भारत को Slovak Republic, Slovenia और Belarus** के बाद स्थान मिला है।
- **भारत का स्कोर**: भारत का गिनी स्कोर **25.5** है, जो दर्शाता है कि देश में आय असमानता काफी कम है।
- **भारत की श्रेणी**: भारत को **"Moderately Low Inequality"** श्रेणी में रखा गया है, जिसमें गिनी स्कोर **25 से 30** के बीच होता है।
- **अन्य देशों की तुलना में भारत की स्थिति**:
  - **चीन**: स्कोर **35.7**
  - **संयुक्त राज्य अमेरिका (USA)**: स्कोर **41.8** भारत का स्कोर इन दोनों देशों से **काफी बेहतर** है।
- **167 देशों में श्रेष्ठ प्रदर्शन**:
  - भारत ने विश्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों वाले सभी 167 देशों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है।
  - भारत ने G7 और G20 देशों से भी बेहतर स्कोर किया है।

भारत में प्रमुख सरकारी पहलें (2025 तक)

1. प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY):

- 55.69 करोड़ से अधिक जनधन खाते खुले।
- गरीबों को औपचारिक बैंकिंग और सरकारी लाभों की सीधी पहुंच मिली।

2. आधार और डिजिटल पहचान प्रणाली:

- कल्याणकारी योजनाओं की रीढ़ बनी।
- सही लाभार्थी को सही समय पर लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करती है।

3. प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT):

- कल्याणकारी भुगतान में पारदर्शिता, कम समय और कम लीकेज।
- सरकारी योजनाओं का डिजिटलीकरण और दक्ष क्रियान्वयन।

4. आयुष्मान भारत योजना:

- हर परिवार को प्रति वर्ष ₹5 लाख तक स्वास्थ्य बीमा कवर।
- **आयुष्मान वय वंदना योजना**: 70 वर्ष से ऊपर के नागरिकों को आय-निरपेक्ष स्वास्थ्य सुरक्षा।
- **आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन**: 79 करोड़ से अधिक हेल्थ अकाउंट

स्टैंड-अप इंडिया योजना:

- SC/ST और महिलाओं को ₹10 लाख से ₹1 करोड़ तक का ऋण।
- उद्देश्य: ग्रीनफील्ड उद्यमों को बढ़ावा देना
- समावेशी विकास और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन

6. प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY):

- COVID-19 महामारी के दौरान शुरू हुई।
- अब तक गरीबों को मुफ्त राशन देकर भोजन सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

7. पीएम विश्वकर्मा योजना:

- **पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों** के लिए योजना।
- **बिना जमानत ऋण**, **उपकरण किट**, **डिजिटल प्रशिक्षण** और **मार्केटिंग सहायता** प्रदान करती है।
- भारत की सांस्कृतिक और आर्थिक विरासत को **मजबूती देती है**।

गिनी इंडेक्स (Gini Index):

गिनी इंडेक्स क्या है?

- गिनी इंडेक्स एक **सांख्यिकीय मापक** है जो किसी देश में **आय, संपत्ति या उपभोग के वितरण की समानता/असमानता** को दर्शाता है।
- इसका स्केल **0 से 100** तक होता है:
  - **0 स्कोर** = पूर्ण समानता (सभी को बराबर आय)
  - **100 स्कोर** = पूर्ण असमानता (संपूर्ण आय एक ही व्यक्ति को)

उच्च गिनी स्कोर का अर्थ:

- स्कोर जितना **अधिक**, देश उतना ही **असमान**।
- उदाहरण: यदि किसी देश का स्कोर 40 है, तो वहाँ आय वितरण में असमानता अधिक है।

गिनी इंडेक्स की गणना कैसे होती है?

- गिनी इंडेक्स = **पूर्ण समानता रेखा और लोरेंज वक्र के बीच के क्षेत्र** का अनुपात।
- यह अनुपात जितना बड़ा होगा, **आय असमानता उतनी अधिक** मानी जाएगी

हाउसहोल्ड सेविंग्स / Household Savings

संदर्भ:

भारत की **घरेलू बचत दर (Household Savings Rate)** वर्ष **2022–23 में गिरकर GDP के 29.7%** पर आ गई, जो **पिछले 40 वर्षों में सबसे निचला स्तर** है।

- यह दर **2011–12 में 34.6%** थी, यानी इसमें उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है।

हाउसहोल्ड सेविंग्स (Household Savings):

हाउसहोल्ड सेविंग्स क्या होती है?

- हाउसहोल्ड सेविंग्स = **घरेलू शुद्ध व्यय योग्य आय - कुल उपभोग व्यय** (जिसमें कर और ऋण भुगतान भी शामिल होते हैं)।
- यह दर्शाती है कि कोई परिवार वर्तमान उपभोग को स्थगित कर भविष्य की सुरक्षा, निवेश या आपात स्थिति के लिए कितना बचा सकता है।

भारत में हाउसहोल्ड सेविंग्स: हालिया रुझान

1. **घरेलू सकल बचत दर:**
   - **2011–12 में**: 34.6% (GDP का हिस्सा)
   - **2022–23 में**: 29.7% – चार दशकों में सबसे कम स्तर
2. **घरेलू वित्तीय बचत:**
   - **2020–21 में**: 11.5% (GDP के अनुपात में)
   - **2022–23 में**: गिरकर सिर्फ 5.1% रह गई
3. **घरेलू देनदारियाँ:** FY24 में: बढ़कर 6.4% of GDP – 17 वर्षों में सबसे ऊँचे स्तर के करीब
4. **शहरी–ग्रामीण बचत अंतर:**
   - **शहरी परिवार**:
     - बेहतर वित्तीय साक्षरता और औपचारिक वित्तीय पहुँच
     - अधिक म्यूचुअल फंड व इक्विटी में निवेश
   - **ग्रामीण परिवार**:
     - अधिकतर **अनौपचारिक बचत तरीकों** पर निर्भर
     - **आय में झटकों** के प्रति अधिक संवेदनशील
5. **म्यूचुअल फंड और शेयरों में निवेश:**
   - **FY21 में**: ₹1.02 लाख करोड़
   - **FY23 में**: बढ़कर ₹2.02 लाख करोड़ – **लगभग दोगुना**

घरेलू आय में गिरावट के प्रमुख कारण:

1. मैक्रोइकोनॉमिक कारक:

- **लगातार उच्च मुद्रास्फीति (Inflation):** खरीद शक्ति में गिरावट, जिससे वास्तविक आय कम हुई।
- **Fisher Dynamics के अनुसार:** ब्याज दरों में वृद्धि और नाममात्र आय में धीमी वृद्धि से बचत की क्षमता घटी।

2. वास्तविक वेतन में गिरावट (Decline in Real Wages):

- खासकर **अनौपचारिक क्षेत्र** में वेतन **स्थिर या गिरते हुए**।
- **युवा बेरोजगारी व अर्ध-रोज़गार** के कारण आय में वृद्धि सीमित।
- इसका प्रत्यक्ष असर **घरेलू बचत क्षमता पर पड़ा**।

3. परंपरागत बचत साधनों में गिरावट:

- बैंक जमा और लघु बचत योजनाओं पर वास्तविक ब्याज दरें बहुत कम।
- इससे लोग पारंपरिक बचत उत्पादों में निवेश से विमुख हुए।

4. उपभोग और निवेश व्यवहार में बदलाव:

- **Post-Covid उपभोग में तेजी**, जिससे: **उपभोग, आवास और शिक्षा** के लिए **ऋण बढ़ा**।
- **जोखिमपूर्ण निवेश की ओर रुझान**:
  - इक्विटी और म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़ा।
  - **SIP योगदान**:
    - 2016 में ₹3,122 करोड़ से
    - **2025 में ₹26,632 करोड़** – **8.5 गुना वृद्धि**

5. आकांक्षात्मक खर्च में वृद्धि:

- **शहरी मध्यम वर्ग** का ध्यान अब:
  - **लाइफस्टाइल उत्पादों**,
  - **विदेश यात्रा**,
  - **वर्तमान में जीने** पर केंद्रित।
- यह प्रवृत्ति **परंपरागत बचत प्रवृत्ति को कमजोर कर रही** है।

दबावयुक्त भारी जल रिएक्टर / Pressurised Heavy Water Reactors

संदर्भ:

परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (AERB) ने गुजरात स्थित काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र की यूनिट 3 और 4 के लिए NPCIL को दो स्वदेशी 700 मेगावॉट (MWe) **के दाबित भारी जल रिएक्टरों (PHWRs)** के संचालन की अनुमति प्रदान कर दी है।

- यह स्वीकृति भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमताओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

PHWR (Pressurised Heavy Water Reactor): भारत की स्वदेशी परमाणु शक्ति का प्रतीक

PHWR क्या है?

- एक **न्यूक्लियर फिशन रिएक्टर**, जो **प्राकृतिक यूरेनियम** को ईंधन के रूप में और **भारी जल (D_2O)** को **कूलेंट और न्यूट्रॉन मॉडरेटर** के रूप में उपयोग करता है।
- इसकी प्रमुख विशेषता: **ऑनलाइन रिफ्यूलिंग क्षमता**, जिससे **लगातार ऊर्जा उत्पादन** संभव होता है।

विकास और स्वदेशीकरण का इतिहास:

- **शुरुआत**: कनाडा की मदद से राजस्थान परमाणु परियोजना (RAPS-1, 1973)।
- **AECL (Canada) के हटने के बाद**, भारत ने PHWR तकनीक का **पूर्ण स्वदेशीकरण** किया:
  - **BARC** (भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र)
  - **NPCIL** (न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड)
- **विकास यात्रा**:
  - 220 MWe → 540 MWe → **700 MWe** (पूर्णत: स्वदेशी R&D और निर्माण द्वारा)

कार्यप्रणाली (Working Mechanism):

- **भारी जल न्यूट्रॉन मॉडरेटर** के रूप में कार्य करता है → न्यूट्रॉन को धीमा कर नियंत्रित श्रृंखलाबद्ध विखंडन सुनिश्चित करता है।
- **प्रेशर ट्यूब में प्राकृतिक यूरेनियम के ईंधन रॉड** होते हैं, जो **कैलेंड्रिया वेसल** में डाले जाते हैं।
- **उच्च तापमान वाला भारी जल** → स्टीम जनरेटर → टर्बाइन → बिजली उत्पादन।
- **कंट्रोल रॉड** और **ECCS (Emergency Core Cooling System)** → सुरक्षा और ऊर्जा उत्पादन नियंत्रण में मदद करते हैं।

700 MWe PHWR की विशेषताएँ:

- पूरी तरह स्वदेशी डिजाइन और संचालन (निर्माण, ईंधन निर्माण, कंट्रोल सिस्टम सहित)।
- ऑनलाइन रिफ्यूलिंग प्रणाली → उत्पादन में रुकावट कम।
- डुअल फास्ट-एक्टिंग शटडाउन सिस्टम, डबल कंटेनमेंट, और पैसिव हीट रिमूवल सिस्टम।
- डिजिटल I&C सिस्टम → रियल-टाइम निगरानी और स्वचालन में मदद।
- ऑन-साइट भारी जल मॉडरेशन और कूलिंग → बाहरी निर्भरता में कमी, न्यूट्रॉन उपयोगिता में वृद्धि।

हालिया परमिट का महत्व:

- भारत की 10-रिएक्टर PHWR फ्लीट योजना को बढ़ावा।
- 7000 MWe स्वदेशी परमाणु क्षमता जोड़ने की रणनीति को बल।

AERB (परमाणु ऊर्जा विनियामक बोर्ड): एक परिचय

- **स्थापना:**
  - वर्ष **1983 में**, भारत के राष्ट्रपति द्वारा
  - **Atomic Energy Act, 1962** के तहत
- **उद्देश्य:**
  - भारत में परमाणु ऊर्जा और आयनीकरण विकिरण के सुरक्षित उपयोग को सुनिश्चित करना
  - मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर अनावश्यक खतरा न हो
- **मुख्य कार्यक्षेत्र:** यह सुनिश्चित करना कि परमाणु ऊर्जा का उपयोग नियंत्रित, सुरक्षित और ज़िम्मेदार तरीके से हो
- **विनियामक दायरा (Regulatory Scope):**
  - DAE (Department of Atomic Energy) की सभी यूनिटों में औद्योगिक सुरक्षा को नियंत्रित करता है
  - जैसे: BARC, NPCIL, और अन्य परमाणु ऊर्जा केंद्र

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग / NCM

संदर्भ:

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (NCM) अप्रैल 2025 से **अकार्यशील** है, क्योंकि आयोग के अध्यक्ष के सेवानिवृत्त हो जाने के बाद से अब तक **नया अध्यक्ष नियुक्त नहीं किया गया** है। इससे आयोग के कार्यों और शिकायत निवारण प्रक्रियाओं पर प्रभाव पड़ा है।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (NCM)-

स्थापना:

- यह आयोग **राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992** के तहत गठित किया गया था।
- यह एक **वैधानिक निकाय (Statutory Body)** है जिसे **भारत सरकार** द्वारा स्थापित किया गया है।

उद्देश्य:

- भारत के अधिसूचित **धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों** के **हितों की रक्षा और संरक्षण** करना।

अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदाय (Notified Minorities): वर्तमान में 6 समुदायों को अल्पसंख्यक घोषित किया गया है: मुस्लिम, ईसाई (Christian), सिख, बौद्ध, पारसी (जोरोएस्ट्रियन), जैन

संरचना (Composition):

- कुल **7 सदस्य** होते हैं – जिनमें एक **अध्यक्ष (Chairperson)**, एक **उपाध्यक्ष (Vice-Chairperson)** और **पाँच सदस्य (Members)** शामिल हैं।
- सभी की **नियुक्ति केंद्र सरकार** द्वारा की जाती है।
- इनमें से कम से कम **5 सदस्य**, जिसमें अध्यक्ष भी शामिल हो, **अल्पसंख्यक समुदाय** से होने चाहिए।

कार्यकाल (Tenure):

- प्रत्येक सदस्य का कार्यकाल **3 वर्ष** का होता है।
- सदस्य **पुन: नियुक्ति** के लिए पात्र होते हैं।

अधिकार (Powers): — दीवानी न्यायालय जैसे जांच करते समय आयोग को निम्नलिखित शक्तियाँ प्राप्त होती हैं:

1. व्यक्तियों को समन भेजना और उपस्थिति सुनिश्चित करना
2. दस्तावेज़ों की मांग करना
3. शपथ-पत्रों (affidavits) के रूप में साक्ष्य प्राप्त करना
4. न्यायालयों या कार्यालयों से अभिलेख (records) मंगवाना

हेल्गोलैंड / Helgoland

संदर्भ:

जून महीने में **300 से अधिक प्रमुख क्वांटम भौतिकविद** जर्मनी के **हेल्गोलैंड** द्वीप पर एकत्र हुए, जहाँ क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी का अंतरराष्ट्रीय वर्ष मनाने के तहत एक विशेष सम्मेलन आयोजित किया गया। इस आयोजन को वर्ष की मुख्य उपलब्धियों में से एक के रूप में देखा जा रहा है।

Helgoland:

भौगोलिक स्थिति:

- उत्तर सागर में स्थित, जर्मनी के तट से 50-65 किमी दूर
- Jade, Weser और Elbe नदियों के मुहानों के निकट

भौगोलिक और प्राकृतिक विशेषताएँ:

- प्रसिद्ध: लाल बलुआ पत्थर की चट्टानों (Red Sandstone Cliffs) शुद्ध वायु और सुंदर समुद्री दृश्य
- **जलवायु:**
  - **महासागरीय जलवायु** (Oceanic Climate)
  - सर्दियाँ **सामान्य रूप से हल्की**

ऐतिहासिक महत्त्व (Historical Significance):

- **1402**: Schleswig-Holstein के ड्यूकों के नियंत्रण में
- **1714**: **डेनमार्क** के अधीन
- **1807–1890**: **ब्रिटिश नियंत्रण**: 1890 में ब्रिटेन ने जर्मनी को सौंपा, बदले में ज़ांज़ीबार और अफ्रीकी क्षेत्र प्राप्त किए
- बाद में इसे **"Gibraltar of the North Sea"** कहा जाने लगा
- **प्रथम विश्व युद्ध** के बाद: सैन्य ठिकानों को ध्वस्त किया गया
- **द्वितीय विश्व युद्ध** में:
  - नाजी जर्मनी द्वारा पुन: सैन्यीकरण
  - **भारी बमबारी** का सामना किया
- युद्ध के बाद:
  - **RAF (ब्रिटिश वायु सेना)** ने इसे **बॉम्बिंग रेंज** के रूप में प्रयोग किया
  - **1952 में पश्चिम जर्मनी को लौटा दिया गया**

वैज्ञानिक और तकनीकी महत्त्व:

- नेविगेशन, पवन-ऊर्जा उत्पादन और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण स्थल
- पक्षियों के अध्ययन में विशेष स्थान

ऑस्ट्रेलियाई बैट लिसावायरस / Australian Bat Lyssavirus

संदर्भ:

हाल ही में एक ऑस्ट्रेलियाई व्यक्ति की मौत दुर्लभ लेकिन घातक वायरस **Australian Bat Lyssavirus (ABLV)** के संक्रमण से हो गई है। यह मामला **न्यू साउथ वेल्स (NSW)** राज्य का पहला पुष्ट मानव संक्रमण है।

Australian Bat Lyssavirus (ABLV):

परिचय (Overview):

- ABLV एक **दुर्लभ लेकिन जानलेवा वायरस** है, जो **चमगादड़ों से इंसानों में** फैल सकता है।
- यह **रेबीज वायरस** से अत्यधिक समानता रखता है।
- पहली बार **1996 में ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स** में एक **फ्रूट बैट** में पाया गया।

वायरस का वर्गीकरण (Classification):

- परिवार: **Rhabdoviridae**
- जीनस: **Lyssavirus**
- इसी परिवार में **रेबीज वायरस** भी आता है।

स्रोत और प्रसार (Reservoir & Spread):

- पाया गया: **Flying foxes**, **Fruit bats**, **Insect-eating microbats** – पूरे ऑस्ट्रेलिया में
- **संक्रमण का तरीका:**
  - संक्रमित चमगादड़ के **काटने, नाखून से खरोंचने**, या
  - **लार के संपर्क** (खुले घाव, आँख, नाक, मुँह की झिल्ली) से
- **कोई जोखिम नहीं: मल, मूत्र, रक्त**, या केवल **रूफ्ट के पास होने** से

लक्षण (Symptoms):

- **शुरुआती चरण**: फ्लू-जैसे लक्षण: बुखार, सिरदर्द, थकान
- **तेज़ी से प्रगति**:
  - **गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्याएँ**: लकवा, भ्रम, दौरे, बेहोशी
- लक्षण आने के बाद **मृत्यु की संभावना लगभग निश्चित** होती है

भारतीय वन्यजीव संस्थान / WII

संदर्भ:

भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII) द्वारा हाल ही में की गई एक विस्तृत समीक्षा में आंध्र प्रदेश के वन्यजीव अभयारण्यों के पारिस्थितिकीय प्रबंधन में मौजूद चुनौतियों और कमियों को उजागर किया गया है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि इन अभयारण्यों के संरक्षण को बेहतर बनाने के लिए **वैज्ञानिक दृष्टिकोण**, **आधुनिकीकरण एवं आधारभूत ढांचे का विकास**, और **स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी** को मिलाकर एक समग्र रणनीति अपनाई जानी चाहिए।

वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (WII) : प्रमुख तथ्य

- **स्थापना:** वर्ष **1982** में, **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय**, भारत सरकार के तहत एक **स्वायत्त संस्था** के रूप में स्थापित किया गया।
- **स्थान:** यह संस्थान **देहरादून, उत्तराखंड** में स्थित है।
- **उद्देश्य:** भारत में **वन्यजीव विज्ञान (Wildlife Science)** के विकास को प्रोत्साहित करना।

मुख्य विशेषताएं:

- यह एक **अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त संस्थान** है जो:
  - प्रशिक्षण कार्यक्रम (Training)
  - शैक्षणिक पाठ्यक्रम (Academic Courses)
  - वन्यजीव अनुसंधान व प्रबंधन में सलाह (Advisory Services) प्रदान करता है।
- संस्थान देशभर में **जैव विविधता (Biodiversity)** से संबंधित मुद्दों पर **सक्रिय अनुसंधान** करता है।

अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र:

- जैव विविधता और पारिस्थितिकीय अध्ययन
- संकटग्रस्त प्रजातियाँ (Endangered Species)
- वन्यजीव प्रबंधन (Wildlife Management)
- वन्यजीव फोरेंसिक अनुसंधान
- पारिस्थितिकीय विकास (Eco-development)
- स्थानिक मॉडलिंग (Spatial Modelling)
- जलवायु परिवर्तन से संबंधित अध्ययन

प्रशासनिक संरचना:

- इसके **शासी निकाय** का अध्यक्ष **केंद्रीय पर्यावरण मंत्री** होते हैं।
- इसमें **केंद्र और राज्य सरकारों के प्रतिनिधि**, **संस्थान** और **शैक्षणिक जगत** से सदस्य शामिल होते हैं।

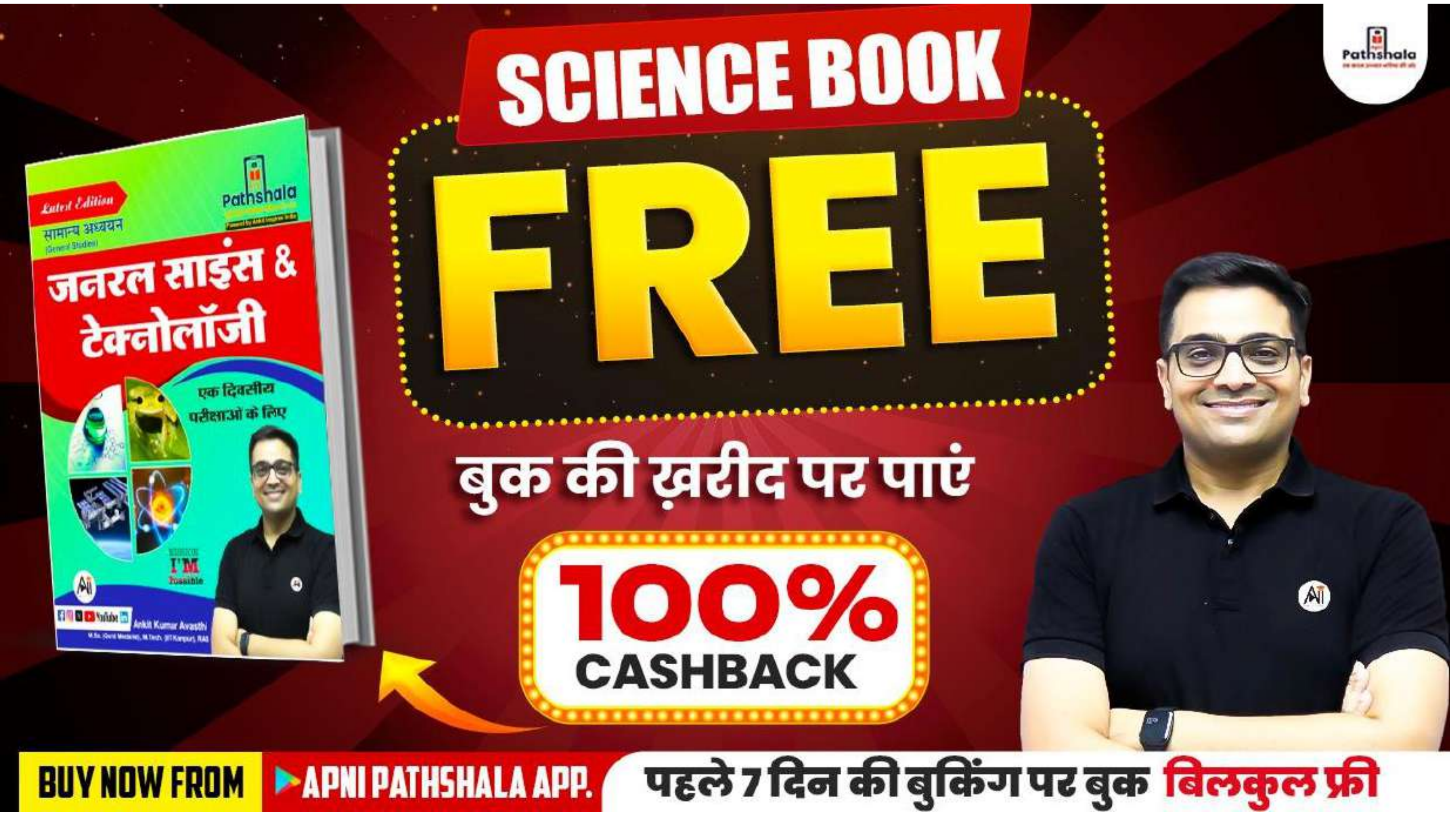
SCIENCE BOOK
FREE
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
Pathshala
Latest Edition
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
जनरल साइंस &
टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय
परीक्षाओं के लिए
Ankit Kumar Avasthi
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ 6000/-
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

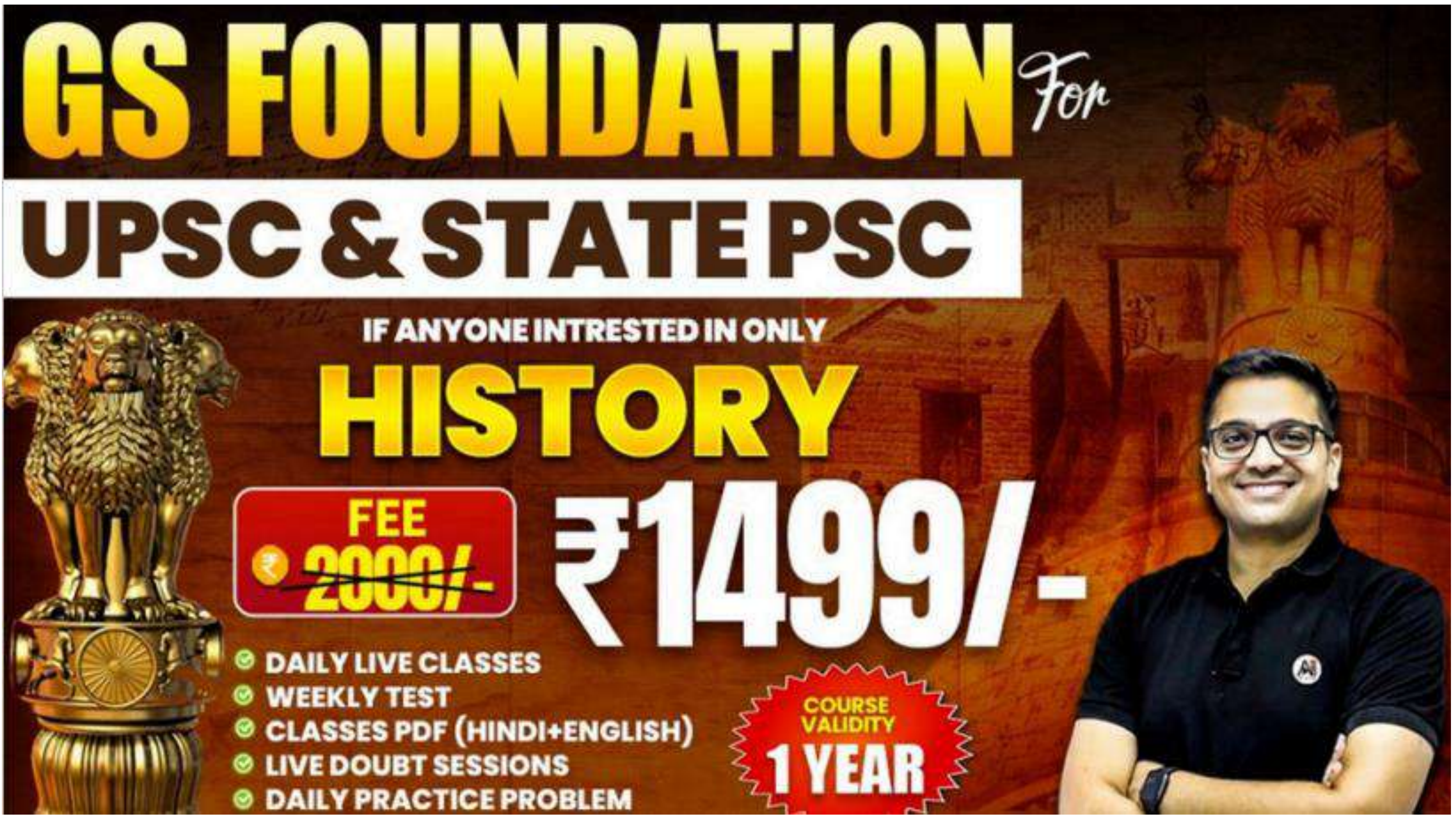
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION OF INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
Pathshala
भारतीय भूगोल
भौतिक तथा विश्व भूगोल
BEST OFFER
1999Rs
4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण
RNA : Real News Analysis
MONTHLY CURRENT AFFAIRS
UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
MONTH
जनवरी, 2025
By Ankit Avasthi Sir
MONTHLY MAGAZINE
FREE!
अधिक जानकारी के लिए दिए गए
नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Billingual
ANKIT AVASTHI SIR

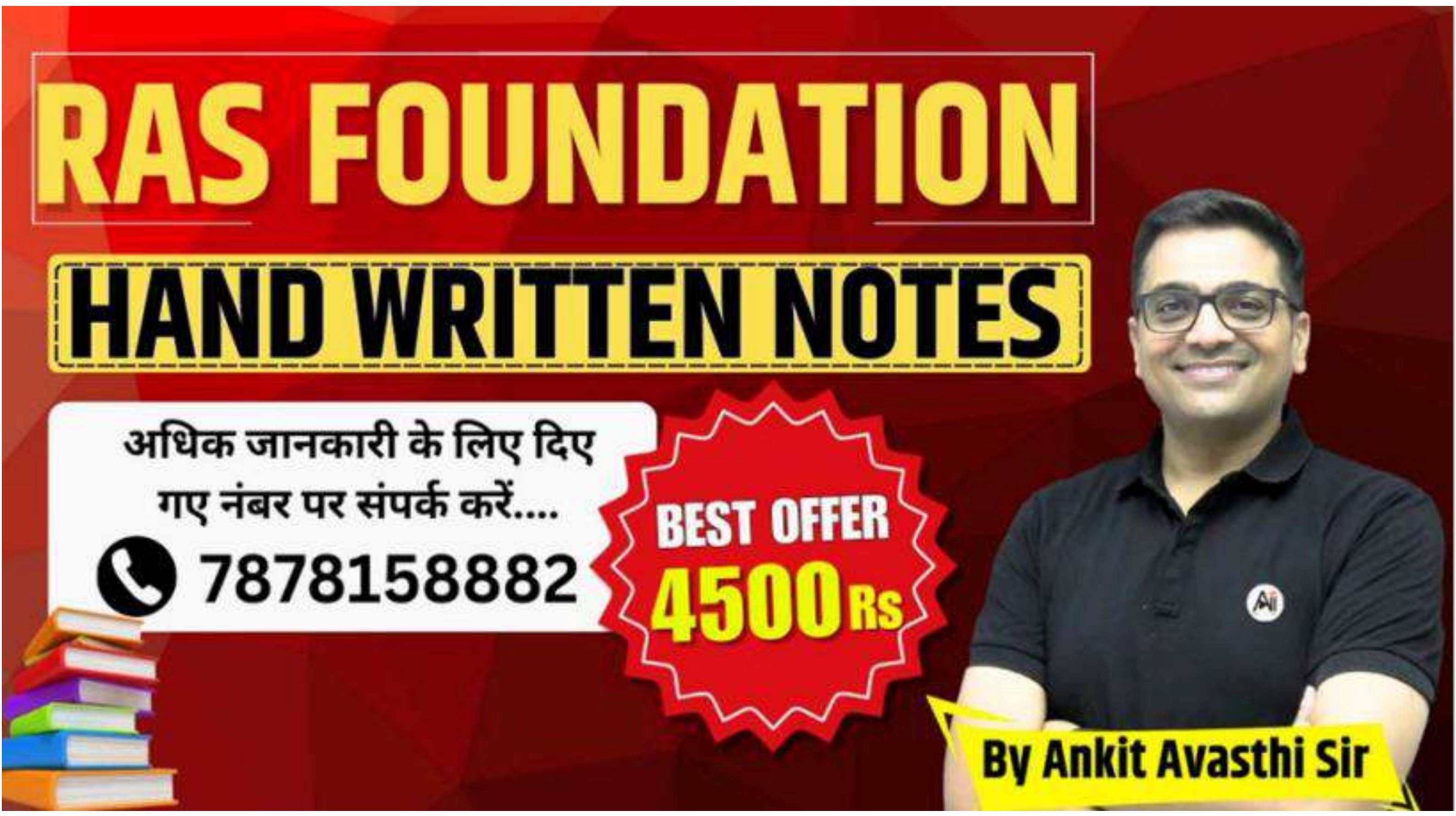
RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
BBK
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
COUPON CODE
ANKIT500
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
एक निवेश समझदारी से..
Course Validity
1 YEAR

HOW MAY I HELP YOU
CALL CENTRE
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download "Apni Pathshsla" app now!
Follow us: